कुल गीत

श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्
वन्दन है यह हमारा,
इस देव भूमि को, हरि भूमि को,
हमारी कर्म भूमि को
वन्दन है यह हमारा इस ज्ञानालय को
चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय को
वन्दन है यह हमारा।।

सरस्वती की इस नगरी में
ज्ञान की बहती निर्मल धारा
भक्ति, ज्ञान और तर्क, प्रज्ञा से
अलंकृत हो हर कर्म हमारा
आओ समग्र विकास करें
मानव का कल्याण करें
अभिनव सृजन से कर अभिनन्दन
निज बौद्धिक विस्तार करें
आओ नवनिर्माण करें,
भारत का जय गान करें
वन्दन है यह हमारा।।

साहस, संयम, स्वाभिमान भर
सत्य को बना अपना सहारा
अज्ञानता का तिमिर हर
परिवर्तन हो अब लक्ष्य हमारा
आओ अपनी पहचान बनें
श्रेष्ठ भारत निर्माण करें
वंचित पिछड़ों को कर शिक्षित
आओ राष्ट्र उत्थान करें
आओ नवनिर्माण करें
भारत का जय गान करें
वन्दन है यह हमारा।।